Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-612

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. (with Yoga Science), Semester : Sixth
Sanskrit; Paper : Second

साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. उत्तररामचरित के तृतीयांक का नाटकीय महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
2. मेघदूत के आधार पर महाकवि कालिदास की काव्य प्रतिभा का मूल्यांकन कीजिए।
3. काव्य प्रकाश के आधार पर काव्य के प्रयोजन सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र का जीवन–परिचय देते हुए अर्वाचीन संस्कृत साहित्य में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।
5. 'धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः' इत्यस्य व्याख्या संस्कृतभाषया कर्तव्या।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(6×5=30)**

1. 'नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति' इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।
2. 'प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार' इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
3. 'उत्पीड इव धूमस्य, मोहः प्रागावृणोति माम्' इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
4. 'सम्पत्स्यन्ते नभसि भवतो राजहंसाः सहायाः' इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
5. 'शरदिज इव धर्मः केतकीगर्भपत्रम्' इस पंक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।
6. 'अतादृशि गुणीभूतव्यंग्ये तु मध्यमम्' इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
7. अर्वाचीन संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत डॉ. हरिनारायण दीक्षित के कृतित्व पर प्रकाश डालें।
8. पठित अंश के आधार पर एक श्लोक लिखकर उसकी संस्कृत व्याख्या कीजिए।

----------X----------